राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र
तेलंगाना

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, तेलंगाना मे हिंदी पखवाडा का आयोजन (14 सितंबर से 29 सितंबर 2022)

राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढाने तथा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति अनुकूल वातावरण बनाने के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, तेलंगाना में हिंदी पखवाडा का आयोजन 14 सितंबर से 29 सितंबर 2022 तक किया गया।

14 सितंबर 2022 को भारत सरकार के माननीय गृह मंत्री श्री अमितशाह जी द्वारा गुजरात में संपन्न हिंदी पखवाडा समारोह, के उपलक्ष्य में उनके भाषण के साथ हिंदी पखवाडा समारोह का शुभारंभ किया गया। जिसे सभी अधिकारीगण ने वर्चुअल रूप से देखा ।

हिंदी पखवाडे के तहत कई प्रतियोगिताएँ जैसे हिंदी श्रुतलेख, वाचन, हिंदी-अंग्रेजी वाक्य रूपांतर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में जिलों में पदस्थ अधिकारियों ने भी वीसी के माध्यम से भाग लिया।

हिंदी पखवाडे का समापन समारोह 29.09.2022 को मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स (CDFD) के द्वारा दीप प्रज्वलन और श्रीमती गायत्री, वैज्ञानिक -एफ द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ । श्रीमती आरती माथुर, वैज्ञानिक-एफ ने मुख्य अतिथि श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव जी का स्वागत करते हुए सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी और सभी पदाधिकारियों को इस अवसर पर उत्साहपूर्वक तरीके से भाग लेने पर बधाई दी।

मुख्य अतिथि श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, के द्वारा दीप प्रज्वलन। साथ में श्री पीटर फ्रांसिस थम्बूसामी, राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, श्री अनिल रथोड, एच ओ डी, एन ई यू हैदराबाद और सुश्री सी राधा, हिन्दी अधिकारी

श्री राकेश, वैज्ञानिक-एफ द्वारा मुख्य अतिथि के परिचय के पश्चात मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी अधिकारियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी । अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव ने हिंदी दिवस के इतिहास

के बारे में जानकारी दी और राजभाषा हिंदी की सरलता पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों को राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा, भारत जैसे विविधताओं से भरे देश को एक सूत्र में बाँधने वाली भाषा है, यह किसी भी अन्य भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं है।

मुख्य अतिथि श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव का संबोधन

उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री पीटर फ्रांसिस थम्बूसामी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राजभाषा पर हम सबको गर्व है। राजभाषा हिंदी को आगे बढाने के लिए हमें ई-टूल्स को अपनाते हुए रोजाना कार्यालयीन कामकाज में इसका प्रयोग करना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि इसे हम अपने कार्यालयीन कामकाज में उपयोग करें जैसे कि हम अन्य सरकारी आदेशों का अनुपालन करते हैं।

उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री पीटर फ्रांसिस थम्बूसामी का उद्‌बोधन, साथ में श्रीमती राधा, एएसआईओ एवं राजभाषा अधिकारी, मुख्य अतिथि श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, (right to left)

श्रीमती राधा, एएसआईओ एवं राजभाषा अधिकारी ने अपने उद्‌बोधन में हिंदी भाषा पर नजर डालते हुए राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करी तथा राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में हम सभी को अपने अपने स्तर पर प्रयासरत होने का सुझाव दिया। प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा श्री श्रीनाथ, वैज्ञानिक-ई के द्‌वारा करी गई व मुख्य अतिथि के कर कमलों से विजेताओं को अभिनंदन के साथ प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया ।

विजेताओं की सूची इस प्रकार है।

प्रतियोगिता	**वाचन**	**श्रुतलेख**	**वाक्य रूपांतर**	**वाद-विवाद**
प्रथम पुरस्कार	सुश्री बी.सीता महालक्ष्मी	डॉ. पी गायत्री	श्री मारूती कुमार	श्री रेनील जॉन
द्‌वितीय पुरस्कार	सुश्री स्वर्णलता गुंटी	श्री आर.एस.एन मूर्ति	श्री पी.रघु	श्री खाजा इम्तियाज अहमद
तृतीय पुरस्कार	श्री सनपाल चिरंजीवी	सुश्री शकीना नालागतला	श्री संपत कुमार	श्री मारुती कुमार
सात्वना पुरस्कार	1. श्री बजीद बाबू 2. सुश्री सुजाता 3. श्री सिराज अहमद 4. सुश्री संडका अमला	1. सुश्री कनक दुर्गा 2. श्री रवींदर 3. श्री श्रीनिवास राव 4. सुश्री सौधामिनी श्रीनिवासन	1. श्री रमेश बाबू 2.वली बाशा 3. सुश्री आनंद भारती 4. श्री केतिनेनी विश्वनाथ	1. श्री विद्‌या सागर गांधी 2. श्री सनपाल चिरंजीवी 3. श्री अनूज खीचर 4. सुश्री श्रीलता गोरला

अंत में श्री राकेश, वैज्ञानिक-एफ ने मुख्य अतिथि ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों व उपस्थित सभी अधिकारी/कर्मचारी सहित वीसी के माध्यम से प्रतियोगिताओं एवं समापन समारोह में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों को धन्यवाद किया।

विविध प्रतियोगिताओं के आयोजन के दौरान वाचन प्रतियोगिता के अवसर पर श्रीमती अन्नपूर्णा, वैज्ञानिक-ई ने इस मौके पर निम्नलिखित कविता लिखी और उसे पढकर सुनाई।

****

हाथ में पुस्तक लिये, सीधे साधे कुछ लोगों का आज दीदार हुआ
कुछ दिखा कुछ न दिखा, कुछ पढा कुछ न पढा
कुछ सरल, कुछ कठिन शब्दों का दीदार हुआ
कुछ हिंदी शब्दों का
कुछ अपने बारे में, कुछ दूसरों के बारे में
सबके हिंदी ज्ञान का दीदार हुआ
कुछ कोशिश की गई, कुछ कोशिश होनी है
पर
आज हिंदी से प्रेम का दीदार हुआ
वाचन की इस प्रक्रिया में, देशप्रेम की पंक्तियों में
दिल खोल कर सारे अपनों का दीदार हुआ।

****